



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3— उपखण्ड (II)
PART II—Section 3—Sub-Section (II)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 245]

नई दिल्ली, बुधस्वतिवार, अप्रैल 10, 1997/चैत्र 20, 1919

No. 245]

NEW DELHI, THURSDAY, APRIL 10, 1997/CHAITRA 20, 1919

श्रम मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 9 अप्रैल, 1997

का. आ. 320 (अ).—कर्मचारी भविष्य निधि एवं प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परंतुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इस अधिसूचना की अनुसूची I में निर्दिष्ट अधिसूचनाओं का अधिक्रमण करते हुए, उन बातों को छोड़कर ऐसे अधिक्रमण से पहले किया गया है अथवा किए जाने से चूक हो गयी है, केन्द्रीय सरकार इस मामले में आवश्यक जांच-पड़ताल करने के पश्चात् मई, 1997 के प्रथम दिन से अनुसूची-II में निर्दिष्ट प्रतिष्ठानों के अलावा उस प्रत्येक प्रतिष्ठान और प्रतिष्ठानों की श्रेणी को निर्धारित करती है जिन पर उक्त परंतुक लागू होगा।

अनुसूची I

- (i) का. आ. 360 दिनांक 17 मई, 1989
- (ii) का. आ. 1837 दिनांक 29 जून, 1990
- (iii) का. आ. 627 (अ.) दिनांक 31 अगस्त, 1994
- (iv) का. आ. 126(अ) दिनांक 1 मार्च, 1997

अनुसूची II

उन प्रतिष्ठानों की सूची जिन पर धारा 6 का प्रथम परंतुक लागू नहीं होगा।

- (i) कोई ऐसा प्रतिष्ठान जिसमें बीस से कम व्यक्ति नियोजित हों;
- (ii) कोई भी ऐसा रुग्ण औद्योगिक कंपनी जिसे रुग्ण औद्योगिक कंपनी (विशेष उपबंध) अधिनियम, 1985 (1986 का 1) की धारा 3 की उप-धारा (1) के खंड (ण) में परिभाषित किया गया है और जिसे उक्त अधिनियम की धारा 4 के अंतर्गत गठित औद्योगिक एवं वित्तीय पुनर्निर्माण बोर्ड द्वारा बोर्ड में उक्त संदर्भ के पंजीकरण की तारीख को और उससे प्रारम्भ होने वाली जिस तारीख को समाप्त होने वाली अवधि के लिए रुग्ण कंपनी घोषित किया गया है उस तारीख तक उक्त कंपनी का निवल मूल्य उक्त अधिनियम की धारा 17 की उप-धारा (2) के अंतर्गत पारित किए गए आदेशों के अनुसार अथवा उक्त अधिनियम की धारा 18 के अंतर्गत संस्वीकृत योजना के कार्यान्वयन की अंतिम तारीख को सकारात्मक हो जाता है;
- (iii) कोई ऐसा प्रतिष्ठान जिससे किसी भी वित्तीय वर्ष के अन्त में इसके संपूर्ण निवल मूल्य अर्थात्, संदत्त पूंजी और मुक्त आरक्षित निधि के समतुल्य अथवा अधिक संचित नुकसान हुआ है तथा जिसे ऐसे वित्तीय वर्ष में और ऐसे वित्तीय वर्ष से तत्काल पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष में भी नकद बाटा हुआ है।

स्पष्टीकरण : खंड (iii) के प्रयोजनार्थ "नकद घाटा" का अर्थ उस नुकसान से है जिसकी गणना घाटे की व्यवस्था न किए जाने के रूप में की गयी है;

(iv) निम्नलिखित में कोई भी प्रतिष्ठान :—

(अ) जूट उद्योग;

(ब) बीड़ी उद्योग;

(स) ईंट उद्योग;

(द) कॉपर उद्योग, बुनाई क्षेत्र के अलावा;

(य) गौर गम कारखाने

[फा.सं.एस-35019/1/97-एस.एस. II]

आर. के. सैनी, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF LABOUR

NOTIFICATION

New Delhi, the 9th April, 1997

S.O. 320(E).—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) and in supersession of the notifications specified in Schedule I to this notification except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the Central Government after making necessary inquiry into the matter hereby specifies with effect from the first day of May, 1997 every establishment and class of establishments other than those specified in Schedule II, to which the said proviso shall apply.

SCHEDULE I

- (i) S.O. 360 Dated the 17th May, 1989
- (ii) S.O. 1837 Dated the 29th June, 1990
- (iii) S.O. 627 (E) Dated the 31st August, 1994
- (iv) S.O. 126(E) Dated the 1st March, 1995

SCHEDULE II

Establishments to which the first proviso to section 6 shall not apply.

- (i) Any establishment in which less than twenty persons are employed;
- (ii) Any sick industrial company as defined in clause (o) of sub-section (1) of section 3 of the Sick Industrial Companies (Special Provisions) Act, 1985 (1 of 1986) and which has been declared as such by the Board for Industrial and Financial Reconstruction established under section 4 of that Act. for the period commencing on and from the date of registration of the reference in the Board and ending either on the date by which the net worth of the said company becomes positive in terms of the orders passed under sub-section (2) of section 17 of that Act or on the last date of implementation of the Scheme sanctioned under section 18 of that Act;
- (iii) Any establishment which has at the end of any financial year accumulated losses equal to or exceeding its entire net worth that is, the sum total of paid up capital and free reserves and has also suffered cash losses in such financial year and the financial year immediately preceding such financial year.

Explanation :—For the purposes of clause (iii) "cash loss" means loss as computed without providing for depreciation;

(iv) Any establishment in the.—

(A) Jute industry;

(B) Beedi industry;

(C) Brick industry;

(D) Coir industry other than the spinning sector;

(E) Gaur gum factories

[F.No. S-35019/1/97-SS II]

R.K. SAINI, Jt. Secy.